



2026: AHC: 29586

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - सी संख्या - **5134** वर्ष **2026**

भगवान सिंह एवं 3 अन्ययाचिकाकर्तागण

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 3 अन्यप्रतिवादीगण

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता: अजय मिश्रा, राजेश कुमार त्रिपाठी

प्रतिवादी के अधिवक्ता: सी.एस.सी.

न्यायालय संख्या - 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया

1. पक्षों के विद्वान अधिवक्ता को सुना गया तथा रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया।
2. यहाँ पारित किए जाने के लिए प्रस्तावित आदेश के आलोक में, निजी प्रतिवादी को नोटिस भेजने और इस याचिका का इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखने से कोई उपयोगी उद्देश्य सिद्ध नहीं होगा। हालांकि, यदि निजी प्रतिवादी आदेश से व्यथित महसूस करता/करती है, तो आदेश के संशोधन/परिवर्तन की मांग करने का उसका अधिकार सुरक्षित रखा जा रहा है।
3. वर्तमान याचिका में याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगी गई मूल राहत, प्रतिवादी संख्या-2/उप जिलाधिकारी, छाता, जिला मथुरा को आवेदन दिनांक 10.02.2025 को शीघ्रता से तय करने का निर्देश देना है।
4. मामला काफी समय से निचली अदालत के समक्ष लंबित है और काफी समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



5. मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में, वर्तमान याचिका को प्रतिवादी संख्या-2/उप जिलाधिकारी, छाता, जिला मथुरा को उपरोक्त आवेदन को कानून के अनुसार सख्ती से, अति शीघ्र और अधिमानतः प्रतिवादी संख्या-2 के समक्ष प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर तय करने का निर्देश देते हुए निस्तारित किया जाता है, परंतु प्रतिवादी संख्या-3/जगदीश प्रसाद और प्रतिवादी संख्या-4/राजेंद्र प्रसाद को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के बाद और अनावश्यक स्थगन दिए बिना, जब तक कि कोई कानूनी बाधा न हो।
6. यह स्पष्ट किया जाता है कि इस न्यायालय ने गुण-दोष के आधार पर मामले का न्यायनिर्णयन नहीं किया है।

फरवरी 10, 2026

सकलैन

(प्रकाश पाडिया, न्यायमूर्ति)

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"